

०८/०१/१७

पत्रावली प्रार्थना संतोष देवी के ऊपर अति
श्री शंकराचार्य के मिलावट वाली का जेब हो
जु प्रस्तुत हुई प्रार्थना ने अनेक प्रेम
का निवेदन किया है कि प्रार्थना अपनी
अपनी शक्ति का नाममात्र सुलभाने के
लिए अनेक स्वयं विद्रा कागजात चले हैं
प्रार्थना की पहचान करके श्री शंकराचार्य
इस की गयी अने प्रार्थना के निवेदन
जु अनेक स्वयं विद्रा किए जाने के
अनेक दिवस पहले ही मिलावट करके सुभा
होना नैका से का है

उपस्थित अधिकारी, दौतासमगढ़

संतोष
प्रधानमंत्री
श्री शंकराचार्य